IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

"कक्षा 9की विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में अन्तर्निहित मूल्यों का समीक्षात्मक अध्ययन।"

सोनू षेखावत

सहायक प्रोफेसर

बियानी गर्ल्स बी.एड. कॉलेज, जयपुर

1. पृष्ठभूमि :–

षिक्षा एक महत्वपूर्ण व सर्वव्यापी विषय है। षिक्षा मानव जाति के विकास के लिए एक जैविक आवष्यकता तो है ही , साथ एक अनिवार्यता भी है। महान दार्षनिक अरस्तु के अनुसार यदि षिक्षा के द्वारा हमारे अंदर सेवाभाव, नम्रता, सरलता और आत्मविकास का गुण विकसित नहीं हो पाया तो ऐसी षिक्षा व्यर्थ मानी जा सकती है। षिक्षा के विकास व समाज के साथ सामंजस्य हेतु विघालयी विषयों में संकायो को निर्माण किया गया है। एन.सी.एफ (2005) द्वारा दिये गये विज्ञान षिक्षण के आधार पत्र द्वारा मानव के नये–नये अविष्कारों व सैद्धान्तिक ढॉचे को विकसित करने की ओर अग्रसर होना ही विज्ञान माना गया है।

विज्ञान गयात्मक और निरन्तर परिवर्तित ज्ञान का भण्डार जिसमें अद्भूत नये–नये क्षेत्रों को षामिल किया जाता है।

वर्तमान समय मे विज्ञान षिक्षण को ष्मूल्यपरक बनाने की आवष्यकता है क्योंकि विज्ञान षिक्षण में तथ्यों की जानकारी पर ही बल दिया जाता है मूल्यों पर नहीं। अतः वर्तमान भारत का अस्तित्व मूल्य परक षिक्षा में निहित है। एन.सी.ई.आर.टी व सी.बी.एस.ई वैल्यू हैण्डबुक के अनुसार 83 मूल्यों को पाठ्यचर्चा मे वर्गीकृत किया है जिसमें से 45 मूल्यों को विज्ञान विषय में षामिल किया गया है।

3. शोध उद्देश्य

कक्षा 9 की विज्ञान विषय की पाठ्यपुस्तक में अन्तर्निहित मूल्यों का समीक्षात्मक अध्ययन करना।

4. शोध प्रविधियाँ :–

4.1 विधि :–प्रस्तुत शोध में कक्षा 9 की विज्ञान विषय की पाठ्यपुस्तक के मूल्यों के सन्दर्भ में समीक्षात्मक अध्ययन हेतु विषयवस्तु विष्लेषण विधि का प्रयोग किया गया ।

4.2न्यादर्ष :–प्रस्तुत शोध मेंन्यादर्ष के रूप में कक्षा 9 की विज्ञान की पाठ्यपुस्तक को सौद्देष्य न्यादर्षन विधि द्वारा चयन किया गया।

4.3 प्रदत्त संचयन :–प्रस्तुत शोध मेंविषयवस्तु विष्लेषण हेतु प्रदत्तों को संचयन आवृति के रूप में किया गया जिसके माध्यम से विज्ञान विषय में मूल्यों (वैज्ञानिक,सामाजिक,नैतिक,सांस्कृतिक को प्रस्तुत किया गया।)

5. परिणाम :–

वैज्ञानिक मूल्यतालिका क्रमांक 1

मूल्य	कुल आवृत्ति	प्राप्त आवृत्ति	प्रतिशत
वस्तुनिष्ठता	15	08	53.33%
यथार्थता	15	14	93.33%
सूक्ष्म अवलोकन	15	08	53.33%
समस्या समाधान	15	09	60.00%
जिज्ञासाभाव	15	13	86.67%
समीक्षात्मक मूल्यांकन	15	07	46.67%
वैज्ञानिक दृष्टिकोण	15	09	60.00%
प्रमाणिकता	15	13	86.67%
तार्किकता	15	09	60.00%
आगमन निगम चिंतन	15	07	46.67%
विवर्तनात्मक चिंतन	15	05	33.33%
निरीक्षण	15	04	26.67%
खोजपूर्ण प्रवृत्ति	15	11	73.33%

सामाजिक मूल्यतालिका क्रमांक 2

मूल्य	कुल आवृत्ति	प्राप्त आवृत्ति	प्रतिशत
मानव सम्मान	15	06	40.00%
सुरक्षा भाव	15	07	46.67%
निर्णयन क्षमता	15	06	40.00%
साहस	15	–	00%
स्थिरता	15	08	53.33%
कठोर परिश्रम	15	04	26.67%
क्रियाषीलता	15	08	53.33%
उदारता	15	03	20.00%
दृढ़ता	15	02	13.33%
उत्साह	15	–	00%
सहभागिता	15	07	46.67%
अन्तर्निर्भरता	15	05	33.33%

नैतिक मूल्य

मूल्य	कुल आवृत्ति	प्राप्त आवृत्ति	प्रतिशत
सत्य की खोज	15	10	66.67%
दया	15	01	06.67%
विश्वास	15	0	0%
नैतिकता	15	02	13.33%
प्रेम	15	01	06.67%
अहिंसा	15	0	0%
लैंगिक समानता	15	02	13.33%
रचनात्मकता	15	05	33.33%
प्रभावषीलता	15	06	40.00%
उपयोगिता	15	08	53.33%

सांस्कृतिक मूल्य

मूल्य	कुल आवृत्ति	प्राप्त आवृत्ति	प्रतिशत
पूर्वाग्रहों से मुक्ति	15	02	13.33%
राष्ट्रीय सद्भाव	15	02	13.33%
वैष्विक मुद्दों के प्रति जागरूकता	15	01	6.67%
सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूकता	15	04	26.67%
स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता	15	01	06.67%
पर्यावरण के प्रति जागरूकता	15	01	06.67%
नियमबद्धता	15	03	20.00%
संवेदनशीलता	15	03	20.00%
प्रजातांत्रिक दृष्टिकोण	15	02	13.33%
जागरूकता	15	05	33.33%

6. परिणामों की विवेचना :–

परिकल्पना – 1 तालिका क्रमांक 1 के विष्लेषण से निष्कर्ष निकलता है कि कक्षा 9 की विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में यथार्थता, जिज्ञासा, भाव, समस्या समाधान, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, प्रमाणिकता, तार्किकता खोजपूर्ण प्रकृति आदि वैज्ञानिक मूल्य पर्याप्त मात्रा मे पाये जाते है। परन्तु वस्तुनिष्ठता सुक्ष्म अवलोकन समीक्षात्मक मूल्यांकन, आगमन, चिन्तन, विर्वतनात्मक चिन्तन, निरीक्षण आदि मूल्य सीमित मात्रा में पायें गये।

परिकल्पना –2तालिका क्रमांक 2 से निष्कर्ष निकलता है कि कक्षा 9 की विज्ञान कर पाठ्यपुस्तक में स्थिरता क्रियाषीलता, सुरक्षा भाव, निर्णयन क्षमता, सहभागिता, अर्न्तनिर्भरता आदि। सामाजिक मूल्य पर्याप्त मात्रा में पाये जाते है परन्तु साहस, उत्साह, मानव सम्मान, दृढता कठोर परीक्षण आदि मूल्य सीमित मात्रा में पायें गए।

परिकल्पना –3तालिका क्रमांक 3 के विष्लेषण के आधार पर निष्कर्ष निकलता है कि कक्षा 9 कि विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में सत्य, दया, रचनात्मकता, उपयोगिता, प्रभावकारिता, नैतिकता, समानता प्रेम आदि मूल्य पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। परन्तु अहिंसा विष्वास जैसे मूल्यों का अभाव है।

परिकल्पना –4तालिका क्रमांक 4 के विष्लेषण के आधार पर निष्कर्ष निकलता है कि कक्षा 9 कि विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूकता, नियमबद्धता, संवेदनषीलता, जागरूकता आदि मूल्य पर्याप्ता मात्रा में पाये जाते है। परन्तु पूर्वाग्रह से मुक्ति, राष्ट्रीय सद्भाव, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, वैष्विक मुद्दों के प्रति जागरूकता, पर्यावरण के प्रति जागरूकता, प्रजातांत्रिक दृष्टिकोण जैसे मूल्य अल्प मात्रा में है।

निष्कर्ष :–कक्षा 9 की विज्ञान विषय की पाठ्यपुस्तक के विषयवस्तु विष्लेषण के अन्तर्गत एन.सी.ई. आर.टी (2005) के अनुसार विज्ञान में प्रस्तावित 45 मूल्यों में से वैज्ञानिक मूल्य अधिक मात्रा मे, सामाजिक व नैतिक मूल्य सामान्य मात्रा में तथा सांस्कृतिक मूल्य अल्प मात्रा में पाये गये।

7. शैक्षिक निहितार्थः–

पाठ्यपुस्तकें औपचारिक षिक्षा में प्रत्यक्ष रूप से रीढ़ की हड्डी का काम करती हैं और प्रत्यक्ष तथा परोक्ष रूप से सम्पूर्ण वातावरण को प्रभावित करती है। भारत एक विविधता वाला राष्ट्र है अतः इसकी पाठ्यपुस्तक को गंभीरतापूर्वक चयन की बहुत आवष्यकता है क्योंकि इनके द्वारा विद्यार्थियों को ज्ञान के साथ ही मूल्यों का संप्रेषण भी अन्य विषयों के अनुपात मे अधिक सहज व सरल रूप में संभव है। पाठ्यपुस्तक के निर्माण में विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

9. संदर्भ सूची

1- एन.सी.ई.आर.टी कक्षा 9 की विज्ञान की पाठ्यपुस्तक।

2- अग्रवाल, श्रीमती नीलू (2006) ''षैक्षिक अनुसंधान की विधियाँ समंक विष्लेषण एवं शैक्षिक सांख्यिकी'', राधा प्रकाषन मन्दिर, आगरा.पृ. सं. 204–209

3- अग्रवाल, जे.सी. (2006) : राष्ट्रीय शिक्षा नीति, प्रभात प्रकाशन नई दिल्ली पृ. सं. 14–17

4- बुज. एम. बी (1979) : षिक्षा में अनुसंधान सर्वे, एन.सी.ई.आर.टी नई दिल्ली।

5- जनरल ऑफ वेल्यू एज्यूकेषन (2005). जनवरी – जुलाई।

6- गाँधी, के.एस., (1993): वैल्यू एजुकेशन ए स्टडी ऑफ पब्लिक ओपिनियन, ज्ञान पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली,